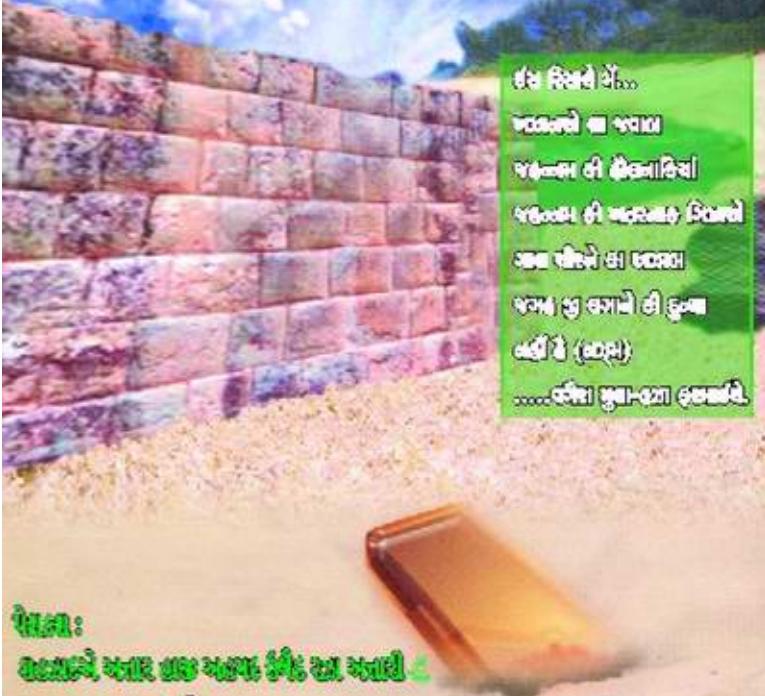



 શ્રી રામેન્દ્ર અંગે જાહેર કુલપત્રી મિશન પ્રદાન કરું જાણા નેતૃત્વ
 ગુહાબદ રંગાસ અધિકાર કાર્યાલાયી રજીસ્ટ્રેટ
 રિચર્ડ નંબર 7

પુર અથેર ખાતાળા



હુદા રિચર્ડ્સ...
 અભિનાનો કા એપ્લિકેશન
 એફ્ફલ્સ લી કોર્પોરેશન
 એફ્ફલ્સ લી અનુયાયી મિશનો
 જાહેર કુલપત્રી કા એપ્લિકેશન
 એફ્ફલ્સ કુલપત્રી લી કુલપત્રી
 વર્કિંગ (૧૦૧)
કુલપત્રી કુલપત્રી કુલપત્રી

પ્રાપ્તિ:
 કુલપત્રી કાન્ડા પ્રકા અનુયાયી લીન્ડ લો એપ્લિકેશન
મેડ-એન્ટ્રીસ કારીના

ડાયલ: ૭૯૪૮, ૭૯૫૫ નં ફોન નં ૩૩૦૧, ૩૪૦૧, ૩૫૦૧૦૧ કુલપત્રી, ગુજરાત,
 Ph: ૯૧-૭૯-૨૬૩૭૧૧૬૬ E-mail: mafdebehind@gmail.com
www.downloadsland.net



الْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِينَ وَالصَّلٰوٰةُ وَالسَّلٰامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَمَّا بَعْدُ فَاعُوذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيمِ

ਪੁਰ ਅਦਿਆਰ ਖੜਾਵਾ¹

شیطان لाख سوستی دیلાએ યેહ રિસાલા મુક્ભમલ પછ લીજિયે إِنَّ اللَّهَ عَزُوهُ جَلُّ આપ અપને દિલ મેં મ-દની ઈન્કિલાબ બરપા હોતા મહસૂસ ફરમાઓંગે.

ਦੁਰਦ ਘਾਂ ਕੀ ਹਿਕਾਯਤ

ہجرتے ساتھیوں نا مुہامّد بین ساریں سونے سے کبھی اُنکر رہتا' داد
میں ہوڑد شریف پढ़ا کرتے ہے۔ آپ فرماتے ہیں، اُنکر بار جب ہوڑد شریف پढ کر
رہا تھا تو میری کیسماں اُنگڑائی لے کر جاگا ٹھی، میں جس میठے آکا، میठے پر ہوڑد
پر ہوڑد سالاب پढ़ا کرتا ہے وہی سونے میں مُوہنے آکا، میठے نے والے مُوہنے
پڑتے ہو اپنا وہ مُوہنے میرے کریب کرو تاکہ میں اُسے چوہ لے۔” یہ سون کر مُوہنے بڑی شرم
آئی، میں اپنا مُوہنے سرکارے میठے نا کے دھنے اکڈس کے کریب کسے کرے؟ میں نے
سرکارے نامدھار کے سامنے اپنا رُپسار کر دیا اور رہنماتے آلبم
نے نیلہ ایت ہی شفعت کے ساتھ ہس پر بوسا دیا۔ جب میں بے دھار ہوا تو
سارا گھر مُوشکبھار ہو رہا تھا۔ میرا گھر اور میرا رُپسار آٹھ روپ تک بُوب بُوب
رہے۔ (�لف کیلیل بُوب، س-۴۱۰: ۱۳۰، دارالکتب ایلیٹیکا، بیڈڑ)

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

બયાન સુનને કે આદાનું

મીઠે મીઠે ઈસ્લામી ભાઈયો ! નિગાહેં નીચી કિયે તવજજોહ કે સાથ બયાન સુનિયે કે લા પરવાહી કે સાથ ઈધર ઉધર યા, પીછે મુડ મુડ કર દેખતે હુએ, જમીન પર ઊંગલી સે ખેલતે હુએ, અપને કપડે બદન યા બાલોં કો સહલાતે હુએ, બાતેં કરતે હુએ, યા ટેક લગા કર સુનને સે નીજ અધૂરા બયાન સુન કર ચલ પડને સે ઈસ કી બ-ર-કતેં ઝાઈલ હોને કા અન્દેશા હૈ. બે તવજજોહી કે સાથ કુરઆનો સુન્તત કી બાત સુનના મુસલ્માનોં કી સિફાત સે નહીં હૈ. “સૂરતુલ અમ્બિયા” કી દૂસરી ઔર તીસરી આયાતે કરીમા મેં ઈશાદિ રખ્ખાની હૈ:-

مَا يَأْتِيهِم مِّنْ ذَكْرٍ مِّنْ رَّبِّهِمْ فُحْدَلٌ إِلَّا سَمَعُوهُ وَ
هُمْ يَلْعَبُونَ^{١٠} لَاهِةً قُلْوَانِهِمْ

મેરે આકા આ'લા હજરત, ઈમામે અહલે સુન્નત, વલિયે ને'મત, અઝીમુલ બ-ર-કત,
અઝીમુલ મર્તબત, પરવાનએ શમ્ભે રિસાલત, મુજફિદે દીનો મિલ્લત, હામીએ સુન્નત, માહીએ
બિદ્દાત, આલિમે શરીઅત, પીરે તરીકત, બાઈસે ઐરો બ-ર-કત, હજરતે અલ્લામા મૌલાના
અલહાજ અલ હાફિઝ અલ કારી અશાહ ઈમામ અહમદ રગા ખાન અધીબ્ખે
આફાક તર્જમાએ કુર્રઆન “કન્જૂલ ઈમાન” મેં ઈસ કા તર્જમા કુછ યું કરતે હોય :-

યતીમો કી દીવાર

મીઠે મીઠે ઈસ્લામી ભાઈયો ! હજરતે સાચ્છિદુના મૂસા કલીમુલ્લાહ અન્નોર
હજરતે સાચ્છિદુના બિજર કા મશીદુર કુરાઓની વાકેઆ જો પન્દરહવેં પારે સે

1. ﴿حَمْدُكَ اللَّهُ أَكْبَرُ﴾ شબે જુમુઆ (10.5.1418) કો અમીરે અહલે સુજ્ઞત કા બયાન ઉમ્મુલ કેવીન અમારાત અલ અરબિયા અલ મુતહિદા સે બ ઝરીએ ટેલિફોન મર્ક્યુલ ઔલિયા લાહૌર મેં દો જગહ રિલે હુવા. ઔર વહાં સે મુસ્તિફાઓબાદ, મની ફારુકાઓબાદ, શૈખુપૂરા, શકરગઢ, ઓકાડા, જિયાકોટ ઔર ચેચા વતની રિલે હુવા જહાં હજારહા ઈસ્લામી ભાઈયોં ઔર ઈસ્લામી બહાનોંને યેહ બયાન સુનને કી સાંઘાત હાસિલ કી. જો ઝડપત તરભીમ કે સાથે તહદીરન પેશે ખિદમત હૈ. - (ઉદ્દેશ રજા ઈબ્ને અતાર)

شُرُعًا हो कर सोलहवें पारे में खत्म होता है। उस में येह भी है के हजरते सच्चिदना मूसा कलीमुल्लाह और हजरते सच्चिदना खिजर عَلَى نَبِيِّنَا وَعَلَيْهِ الصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ एक शहर में तश्रीफ दे गये। वहां के बाशिन्दों ने इन हजरतों की न महमान नवाज़ी की न ही खाना हाजिर किया। हजरते सच्चिदना खिजर عَلَى نَبِيِّنَا وَعَلَيْهِ الصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ ने वहां एक बोसीदा दीवार जो गिरने के करीब थी उस को दुरुस्त किया। ऐसे लोग जिन्हों ने पानी तक को नहीं पूछा इन के यहां दीवार की खिदमत का काम तअज्जुब अंगैज था। लिहाजा हजरते सच्चिदना मूसा कलीमुल्लाह عَلَى نَبِيِّنَا وَعَلَيْهِ الصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ से फरमाया, “आप अगर चाहते तो इन लोगों से कुछ उज्रत ही ले लेते। सच्चिदना खिजर عَلَى نَبِيِّنَا وَعَلَيْهِ الصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ ने कहा, येह दो यतीमों की दीवार है जो एक नेक आदमी की औलाद हैं और उस के नीचे खड़ा रहा है। अगर दीवार गिर जाती तो खड़ा रहा जाता और लोग उड़ा जाते। लिहाजा आप के रब عَزُوْجُلِّ حَمْدُ اللَّهِ تَعَالَى ने चाहा के वोह बच्चे जवान हो कर खड़ा निकाल दें। उन के नेक बाप के सदके में इन पर भी रहमत हुई। मुहम्मद صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ फरमाते हैं, “वोह नेक आदमी इन बच्चों का सातवीं या दस्वीं पुश्त पर जा कर वालिद बनता था।”

(तक्सीर सावी, जिल्हा:4, स-फ़हा:33, दारुल कुतुबुल ईल्मिया, बैहूत)

भजानये ला जवाब

मीठे मीठे ईस्लामी भाईयो ! यहां पर इन के वालिद की नेकी का लिहाज फरमाया गया खुद इन बच्चों की नेकी का तज्जिरा नहीं। या’नी वोह बच्चे नेक हों या न हों चूंके उन के वालिद नेक और परहेजगार थे लिहाजा उन का भजानये ला जवाब महशूज रखा गया। सच्चिदना अब्दुल्लाह ईज्ञे अब्बास صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ फरमाते हैं, “बेशक अल्लाह عَزُوْجُلِّ حَمْدُ اللَّهِ تَعَالَى ईन्सान की नेकोकारी से ईस की औलाद और औलाद, दर औलाद की ईस्लाह फरमा देता है और उस की नस्ल और उस के पड़ोसियों में उस की हिफ़ाजत फरमाता है और वोह सब अल्लाह عَزُوْجُلِّ حَمْدُ اللَّهِ تَعَالَى की तरफ से पद्धि और अमान में रहते हैं।”

(अद्दुरुल मन्सूर, जिल्हा:5, स-फ़हा:422, दारुल फ़िक्क बैहूत)

हजरते सदरुल अफ़्जिल मौलाना नईमुद्दीन عَلَيْهِ رَحْمَةُ اللَّهِ أَنْفَادِي फरमाते हैं, सरकारे मदीना। फरमाते हैं, “अल्लाह عَزُوْجُلِّ حَمْدُ اللَّهِ تَعَالَى एक सालेह (या’नी नेक) मुसल्मानों की ब-2-कत से ईस के पड़ोस के सौ¹⁰⁰घरों की बला दक्ष फरमाता है।” سَيِّدُنَا وَآلهُ وَسَلَّمَ नेकों का कुर्ब भी फ़ाઈदा पहुंचाता है।

(भजाईनुल ईरफ़ान, स-फ़हा:66, बम्बध)

सात इफ़्तरनाक इबारात

मीठे मीठे ईस्लामी भाईयो ! मालूम हुवा के नेक लोगों की ब-2-कत से उन की औलाद बढ़के हमसायों को भी फ़ाઈदा पहुंचता है। तो नेक आदमी कितना भला ईन्सान होता है के ईस के कुपूजो ब-2-कात से न जाने कितने लोग मुतमतों होते हैं। अभी जिस भजानये ला जवाब का तिक हुवा “सूरतुल कहक” पारह 16 आत 82 में ईस का तज्जिरा कुछ यूं है :-

وَكَانَتْ تَحْشِيَةً كَنْزٌ لَهُمَا وَكَانَ بَابُهُمَا صَالِحًا تَرْجِمَةً كَنْزٌ لَهُمَا وَكَانَ بَابُهُمَا صَالِحًا तर्जमये कन्जुल ईमानः उस के नीचे उन का भजाना था और उन का बाप नेक आदमी था।

(पारह:16, अल कहक:82)

ईस आयते मुकद्दसा के तहत हजरते सच्चिदना उसमाने गानी صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ फरमाते

हैं, वोह खजाना सोने की एक तर्जी पर मुश्तमिल था और इस पर येह सात ईश्व्रत आभोज ईबारात मन्कूश थीं:-

(1) उस शब्द का हाल अज्ञब है जो मौत का यकीन होने के बा वुजूद हंसता है. (2) उस शब्द पर तअज्जुब है जो हुन्या को फ़िना होने वाली तस्लीम करने के बा वुजूद इस में मुत्मिन व मुन्छमिक है (3) उस शब्द पर हैरत है जो तकदीर पर ईमान रखने के बा वुजूद हुन्या (की ने'मतें) न मिलने पर मग्मूम होता है (4) कितना अज्ञब है वोह आदमी जिस को यकीन है के कियामत को जर्वे जर्वे का हिसाब देना है इस के बा वुजूद हुन्या की दौलत जम्म करने की धुन में रहता है. (5) हैरत है उस शब्द पर जो जहन्नम को सज्जत तरीन अजाब का मकाम तस्लीम करने के बा वुजूद गुनाहों से बाज नहीं आता (6) अज्ञब है वोह शब्द के जो अल्लाह عَزَّوَجَلَّ को पहचानने के बा वुजूद गैरों के तग्जिकरे करता है (7) तअज्जुब है उस पर जो येह जानता है के जहन्नम में ने'मतें ही ने'मतें हैं फ़िर भी हुन्या की राहतों में गुम है. इसी तरह उस का हाल भी अज्ञब है जो शैतान को जानो ईमान का हुश्मन जानते हुए भी उस की पैरवी करता है.

(अल मुनाबिलत अलल ईस्तिअदाद लिल अस्कलानी, स-फ़ा:83, कन्दहार)

मौत का यकीन और हंसना

मीठे मीठे ईस्लामी भाईयो ! इन दो^२ यतीमों के खजाने से ला जवाब पर इन सात ईश्व्रतनाक ईबारात का पुर अस्तार खजाना भी काफ़ी ईश्व्रतनाक है. पुर अस्तार खजाना हमें ईश्व्रत के मुश्किल म-हनी फ़ूल पेश कर रहा है. वाकेह मौत का यकीन रखने वालों का हंसना तअज्जुब ऐज है, हुन्या को फ़ानी मानने के बा वुजूद इस में मुत्मिन रहना हैरत अंगैज है, तकदीर पर यकीन रखने के बा वुजूद हुन्या का माल न मिलने पर या नुकसान हो जाने पर वावेला करना हैरतनाक है, कितना माल जियादा उतना वबाल जियादा, कियामत में हिसाब किताब जियादा येह सब कुछ यकीन रखने के बा वुजूद हर वक्त इस सोच में रहना के बस किसी तरह दौलत में ईजाफ़ा हो जाए, यहां कारोबार है तो वहां भी ब्रान्च खुल जाए इस तरह की धुन में मग्न रहने वाले पर क्यूँ हैरत न हो के जब उसे येह मालूम है के बरोजे कियामत मुझे जर्वे जर्वे का हिसाब देना पड़ जाएगा आभिर फ़िर भी वोह ईतनी दौलत क्यूँ जम्म करता यला जा रहा है ? उसे मालो दौलत के हरीसों के ईश्व्रतनाक अन्जाम से आभिर क्यूँ दर्स हासिल नहीं होता ? कल कियामत की कड़ी धूप में अपने कसीर मालो दौलत का हिसाब किस तरह हे सकेगा ?

जहन्नम की होलनाकियां

वोह बन्दा भी कितना अज्ञब है जो येह जानता है के दोज़ख सज्जतरीन अजाब का मकाम है फ़िर भी गुनाहों का ईर्तिकाब करता है. मीठे मीठे ईस्लामी भाईयो ! जहन्नम को अगर सुई की नोक के बराबर खोल दिया जाए तो उस की तपश और बदबू से सारी मजलूक हलाक हो जाए. अहले जहन्नम को जो मशुब पीने के लिये दिया जाएगा वोह इस क-दर खतरनाक है के अगर इस का एक तोल हुन्या में बहा दिया जाए तो हुन्या की तमाम जेतियां बरबाद हो जाएं न अनाज उगे न फ़ल. जहन्नम के सांप और बिघू बेहद खौफनाक हैं. हृदीस शरीर में है, “जहन्नम में अजमी उंटों की गरदन की मिस्ल बड़े बड़े सांप होंगे जो दोज़भियों को उसे होंगे, वोह ऐसे झड़ीले होंगे के अगर एक भरतबा काट लेंगे तो चालीस

سال تک اُن کے اہل کی تکلیف نہیں جائے گی۔ اور لگام لگا اے ہو اے بخیروں کے برا برا
بڑے بڑے بیکھڑے جہنمیوں کو ڈک مارتا رہے گے کہ ایک بار ڈک مارنے کی تکلیف چالیس⁴⁰
سال تک بآکی رہے گی۔” (مسنونہ ہمام اہم، ہدیہ:17729، جلد:1، س-۴۷:16، دارالفنون)
تیرمیذی کی ریوایت میں ہے، ”جہنم میں ”سٹریٹ“ نامی آگ کا ایک پہاڑ ہے جس کی
بعلندی ساتار⁷⁰ برس کی راہ ہے۔ کافی جہنمیوں کو ہس پر چढ़ایا جائے گا۔ ساتار⁷⁰
برس میں وہ ہس کی بعلندی پر پہنچے گے فری ٹپر سے عنہم گیرایا جائے گا تو ساتار⁷⁰
برس میں وہ نیچے پہنچے گے ہسی ترہ ہن کو انجام دیا جاتا رہے گا۔” (اممہ تیرمیذی،
ہدیہ:2585، جلد:4، س-۴۷:260، دارالفنون) جہنم کے اسے اسے بُوناک انجام کا تحریک را
سُننے کے باہم جو گعناتوں سے بآج ن آئے اس پر واقعی تاجزیب ہے۔ آبیز
ہنسان کو ہس دُنیا نے کیا دے دے گا جو ہس کی رنگینیوں میں گوم اور ہس کی لوت مار
میں مسڑک ہے۔

جہنم کی بترانناک گیجاں

لگیں گیاں اسے بچے لے لے کر بھانے والوں کو جہنم کی بیانک گیجاں اسے کو نہیں
بُولنا چاہیے ! تیرمیذی کی ریوایت میں ہے، دو ایجیوں پر بُک مُسَلِّمَت کی جائے گی تو
یہ بُک ہن سارے انجاموں کے برا برا ہو جائے گی جن میں وہ بُکلہا ہے، وہ فریاد
کرے گے تو عنہم جریا (جہریلی کانتے دار دھاس) میں سے دیا جائے گا، جو ن موتا کرے ن بُک
سے نجات دے۔ فریاد وہ بھانہ مانگے تو عنہم فرنٹ لگانے والہ بھانہ دیا جائے گا تو
عنہم یاد آئے گا کہ وہ دُنیا میں فرنٹ (لگو نیوالے) کو پانی سے نیگلاتے ہے یعنی
وہ پانی مانگے تو اُن کو لوہے کے جمبوں (سنہی) سے بُکلہا ہو گا پانی دیا جائے گا
جب وہ اُن کے مُنہ کے کریب ہو گا تو اُن کے مُنہ بُکن دے گا فریاد اُن کے پیٹ میں دا بھیل
ہو گا تو اُن کے پیٹوں کی ہر چیز کاٹ ڈالے گا۔” (اممہ تیرمیذی، ہدیہ:2595، جلد:4، س-۴۷:263،
دارالفنون) ایک اور ہدیہ سے پاک میں ہے، ”اکڑم (یا’ نی ٹوہڑ جو کہ دو ایجیوں کو
بیلایا جائے گا) کا ایک کترہ اگار دُنیا پر تپک پڑے تو دُنیا والوں کے بھانے پیٹ کی
تمام چیزوں کو (تلخو بُدھو دار بنانا کر) بھارب کر دے۔” (ابن ماجہ، ہدیہ:4325، جلد:4، س-
۴۷:531، دارالفنون) آہ ! جہنم میں اسے ہو لناک انجام ہونے کے باہم جو ہے
آبیز ہنسان گعناتوں پر ہتھا دیلیک کیوں ہے ؟

گاہ چیڑنے کا انجام

میठے میठے ہسلاکی بآہیو ! بُوناک عوچل سے ل-رک ٹھیک ہے ! اور اپنے
گعناتوں سے توبہ کر لیجیے ! ہمارے پارے پارے آکا، مددیں والے مُسْتَحْشِی مُسْتَحْشِی
نے انجام کا ایک مُنچر یہ بھی دے بھا، ایک شاپس لےتا ہو گا اور فریش تا ایک سنہی سے
اُس کے گلکڑے کو ہس ک-در فاٹتا ہے کہ اُس کا شیگاںکھ اُس کے سارے پیٹلے ہیسے تک پہنچ
جاتا ہے فریاد ہس کے گلکڑے کو چیڑتا ہے ہس دُوران پہلوا جسم دُرست ہو جاتا ہے،
عمر سے فاریگ ہو کر فریاد ہیلے والے گلکڑے کو چیڑتا ہے ہس ترہیک فاٹ کا سیلیسیلہ
جاتا ہے۔ یہ جو ٹیکی افسوس ہے ہیلائے والوں کی سزا ہے۔ (سالیہ بُوخاری، ہدیہ:1386، جلد:1، س-
۴۷:467، دارالفنون) مے’ را ۴ کی رات، سرورے کاہنات، شاہے مُوچھ دات کے اسے
لوگوں کے پاس سے گزرے جو تائبے کے ناپھونوں سے اپنے یہ رہے اور سینوں کو نوچ رہے ہے۔ سرکارے
نامدار کے ہسٹیکس سار پر ارج کیا گیا، ”یہ لوگ آدمیوں کا گوشہ

ખાને વાલે (યા'ની ગીબત કરને વાલે) ઔર લોગોં કી આબરુરેજી કરને વાલે થે.”

(અભૂ દાવૂદ, હિંદીસ:4878, જિલ્લા:4, સ-ફિલ્ડ:291, દારુલ ફિક બેરૂત)

જિન્દગી મુખ્તસર હૈ

મીઠે મીઠે ઈસ્લામી ભાઈયો ! યકીનન જિન્દગી બેહદ મુખ્તસર હૈ, અનકરીબ હમારી સાંસ કી માલા ટૂટ જાએગી ઔર હમારે નાખ ઉઠાને વાલે હમેં અપને કન્યોં પર લાદ કર વીરાન કબ્રિસ્તાન કી તરફ ચલ પડેંગે. આહ ! હમારી સારી આરજૂઓં ખાક મેં મિલ જાએગી. હમારી ખૂન પસીને કી કમાઈ હમારે સાથ આએગી, ન હમેં કામ આએગી.

બેવફાહુન્યા પે મત કર એ'તેબાર

તૂ અચાનક મૌત કા હોગા શિકાર

મૌત આ કર છી રહેગી યાદ રખ

જાન જા કર છી રહેગી યાદ રખ

ગર જહાં મેં સો બરસ તૂ જુભી લે

કબ્ર મેં તાન્હા કિયામતા તક રહે

આહ ! નો જવાન ડોકટર !

સરદારાબાદ ! (ફેસલાબાદ) કે મેડિકલ કોલિજ ફાઈનલ યર કા એક ઝહીન તરીન તાલિબે ઈલમ અપને દોસ્ત કે હમરાહ પિકનિક મનાને ચલા. પિકનિક પોઈન્ટ પર પહોંચ કર ઉસ કા દોસ્ત નદી મેં તૈરને કે લિયે ઉત્તરા મગર દૂબને લગા, ડોક્ટર ને ઉસ કો બચાને કી ગ-રૂઝ સે જગ્ઘબાત મેં આ કર પાની મેં છલાંગ લગા દી અબ વોહ તૈરના તો જાનતા નહીં થા લિહાજા ખુદ ફી ફિંસ ગયા. કિસ્મત કી બાત કે ઉસ કા દોસ્ત તો જું તું કર કે નિકલને મેં કામિયાબ હો ગયા મગર આહ ! ડોક્ટર બેચારા દૂબ કર મૌત કે ઘાટ ઉત્તર ગયા. કોહરામ મચ ગયા, માં બાપ કે બુઢાપે કા સહારા પાની કી મૌજીં કે નજ્ર હો ગયા, માં બાપ કે સુહાને સપને શર્મિન્દાએ તા'ભીર ન હો સકે ઔર વોહ બેચારા ઝહીન તાલિબે ઈલમ M.B.B.S. કે ફાઈનલ ઈભિહાન કા રિજલ્ટ હાથ મેં આને સે કબ્લ હી કબ્ર કે ઈભિહાન મેં મુખ્તલા હો ગયા.

મિલે ખાક મેં અહલે શાં કેસે કેસે

મકાં હો ગયે લા મકાં કેસે કેસે

હુએ નામવર બે નિશાં કેસે કેસે

ઝમીં ખા ગઈ નો જવાં કેસે કેસે

જગહ જુ લગાને કી હુન્યા નહીં હે

ધેહ ઈબ્રત કી જા હે તમાશા નહીં હે

મકાનાત કી હિકાયત

હજરતે સાથીદુના સાલેહ મરકદી કા ગુજર કુછ આલીશાન મકાનાત કી તરફ હુવા. તો આપ ને ફરમાયા, એ બુલન્દો બાલા ઈમારતો ! વોહ લોગ કહાં હું જિન્દગોં ને તુમ્હેં તા'ભીર કિયા ઔર વોહ લોગ કિધર ગાયે જિન્દગોં ને સબ સે પહલે તુમ કો આબાદ કિયા ઔર વોહ લોગ કિધર જા છુપે જો સબ સે પહલે તુમ્હારે અન્દર રહાઈશ પરીર થે ?” વોહ મકાન ભલા કર્યા જવાબ દેતે ! ગૈબ સે એક આવાજ ગુંજ ઉઠી, “જો લોગ પહલે ઈન મકાનાત મેં રહતે થે ઉન કે નામો નિશાન મિટ ગાયે અબ ઉન કા નામ તક લેને વાલા કોઈ બાકી નહીં રહા, ઈન કે બદન ખાક મેં મિલ ગાયે ઔર ઉન કે આ'માલ ઉન કે ગલે કા હાર હું.”

(અલ મુનબિહાત અલલ ઈસ્તિઅદાદ લિલ અસ્કલાની, સ-ફિલ્ડ:19)

જિયેં જિયે મકાન થે જિન કે તંગ

કબ્રોં મેં આજ આન પડે

આજ વોહ હું ન મકાં બાકી નામ

કો ભી નહીં હે નિશાં બાકી

ਈਮਾਰੀ ਕੁਝੂਲ ਸੋਚ

ਮੀਠੇ ਮੀਠੇ ਈਸ਼ਵਾਮੀ ਭਾਈਯੋ ! ਅਲਵਾਹ مَوْجُونْ ਵਾਲੋਂ ਕੀ ਭੀ ਕਿਆ ਖੂਬ ਮ-ਦਨੀ ਸੋਚ ਹੋਤੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਲੀਸ਼ਾਨ ਮਕਾਨਾਤ ਫੇਖ ਕਰ ਉਨ ਸੇ ਈਥਰਤ ਕਾ ਸਾਮਾਨ ਕਿਧਾ ਔਰ ਏਕ ਹਮ ਛੈਂ ਕੇ ਅਗਰ ਉਮਦਾ ਮਕਾਨਾਤ, ਕੋਡਿਆਂ ਔਰ ਬੰਗਲੇ ਫੇਖ ਲੇਤੇ ਹੈਂ ਤੋ ਮਜ਼ੀਦ ਗਫ਼ਲਤ ਕਾ ਸ਼ਿਕਾਰ ਹੋ ਜਾਤੇ ਹੈਂ, ਈਨ ਕੋਡਿਆਂ ਕੋ ਰਖਕ ਕੀ ਨਜ਼ਰ ਸੇ ਫੇਖਤੇ ਹੈਂ, ਉਨ ਕੀ ਸਜ਼ਾਵਟਾਂ ਕਾ ਨਜ਼ਾਰਾ ਕਰਤੇ ਹੈਂ, ਈਸ ਕੀ ਪਾਅਦਾਰੀ ਪਰ ਤਬਦੀਲੇ ਕਰਤੇ ਹੈਂ, ਉਨ ਕੇ ਭਾਵ ਕਾ ਅਨੁਦਾਨ ਲਗਾਤੇ ਹੈਂ ਔਰ ਨ ਜਾਨੇ ਕਿਤਨੀ ਕੁਝੂਲਿਧਾਤ ਮੌਜੂਦਾ ਹੋ ਜਾਤੇ ਹੈਂ। ਕਾਥ ! ਹਮੇਂ ਭੀ ਮ-ਦਨੀ ਸੋਚ ਨਸੀਬ ਹੋ ਜਾਤੀ।

ਘਾਰੇ ਘਾਰੇ ਈਸ਼ਵਾਮੀ ਭਾਈਯੋ ! ਜਿਸ ਫਾਰੇ ਨਾ ਪਾਅਦਾਰ ਕੇ ਹੁਸੂਲ ਕੀ ਖਾਤਿਰ ਆਜ ਹਮ ਅਲੀਲੇ ਘਵਾਰ ਹੋ ਰਹੇ ਹੈਂ ਉਸ ਕੋ ਨ ਸਥਾਪਨ ਹੈ ਨ ਕਰਾਰ। ਈਸ ਕੀ ਜਾਹਿਰੀ ਰੰਗੀਨੀ ਵ ਸ਼ਾਦਾਬੀ ਪਰ ਫਰੈਝਤਾ ਹੋਨੇ ਵਾਲੋ ! ਧਾਇ ਰਖੋ !

ਗਰੋ ਜਾਹਿਰ ਮੌਜੂਦੇ ਗੁਲ ਹੈ ਪਰ
ਏਕ ਝੋਕੇ ਮੈਂ ਛੈਂ ਈਧਰ ਸੇ ਉਧਰ ਚਾਰ

ਛਕੀਕਤ ਮੌ ਖਾਰ ਹੈ ਹੁਨ੍ਯਾ
ਦਿਨ ਕੀ ਬਹਾਰ ਹੈ ਹੁਨ੍ਯਾ

ਦੋ ਖੋਫਨਾਕ ਚੀਜ਼ਾਂ

ਅਲਵਾਹ مَوْجُونْ ਕੇ ਮਹਿਬੂਬ ਦਾਨਾਅੇ ਗੁਧੂਬ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ ਕਾ ਫਰਮਾਨੇ ਈਥਰਤ ਨਿਸ਼ਾਨ ਹੈ, “ਜਿਨ ਚੀਜ਼ਾਂ ਸੇ ਮੈਂ ਅਪਨੀ ਉਮਮਤ ਪਰ ਖੌਫ਼ ਕਰਤਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਈਨ ਮੌ ਜ਼ਿਯਾਦਾ ਖੋਫਨਾਕ ਨਫਸਾਨੀ ਘਵਾਹਿਸ਼ ਔਰ ਲਮਭੀ ਉਮੰਮਿਦ ਹੈ। ਨਫਸਾਨੀ ਘਵਾਹਿਸ਼ ਹਕ ਸੇ ਰੋਕ ਦੇਤੀ ਹੈ ਔਰ ਲਮਭੀ ਉਮੰਮਿਦ ਆਖਿਰਤ ਕੋ ਭੁਲਾ ਦੇਤੀ ਹੈ। ਧੇਹ ਹੁਨ੍ਯਾ ਕੂਚ ਕਰ ਕੇ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਈਨ ਫ਼ੋਨੋਂ² (ਹੁਨ੍ਯਾ ਔਰ ਆਖਿਰਤ) ਮੌ ਸੇ ਹਰ ਏਕ ਕੀ ਔਲਾਹ (ਤਾਬੇਅਦਾਰ) ਹੈ। ਅਗਰ ਤੁਮ ਧੇਹ ਕਰ ਸਕੋ ਕੇ ਹੁਨ੍ਯਾ ਕੇ ਬਚ੍ਚੇ ਨ ਬਨੋ ਤੋ ਐਸਾ ਕਰੋ ਕਿਧੂੰ ਕੇ ਆਜ ਤੁਮ ਅਮਲ ਕੀ ਜਗਹ ਮੌ ਹੋ ਜਣਾਂ ਹਿਸਾਬ ਨਹੀਂ ਔਰ ਕਲ ਤੁਮ ਆਖਿਰਤ ਕੇ ਘਰ ਮੌ ਹੋਗੇ ਜਣਾਂ ਅਮਲ ਨ ਹੋਗਾ।” (ਸ਼ੁਅਖੁਲ ਈਮਾਨ, ਹਫ਼ਿਜ਼:10616, ਜਿਲਦ:7, ਸ-ਫ਼ਲਾ:370, ਦਾਰੂਲ ਕੁਤੁਬੁਲ ਈਲਿਮਿਆ,

ਬੈਂਦਰ)

ਉਮਦਾ ਮਕਾਨ ਵਾਲੋਂ ਕਾ ਅੰਜਮ

ਮੀਠੇ ਮੀਠੇ ਈਸ਼ਵਾਮੀ ਭਾਈਯੋ ! ਵਾਕੇਈ ਘਵਾਹਿਸ਼ਾਤੇ ਨਫਸ ਔਰ ਲਮਭੀ ਉਮੰਮਿਦਾਂ ਕੀ ਤਬਾਹਕਾਰਿਆਂ ਆਜ ਬਿਲਕੁਲ ਵਾਡੇਹ ਹੈਂ। ਅਭਿਆਅੇ ਹੁਨ੍ਯਾ (ਧਾ'ਨੀ ਹੁਨ੍ਯਾ ਕੇ ਬੇਟੋਂ) ਕੀ ਕਸਰਤ ਜਾ ਬਜਾ ਹੈ ਕੇ ਹੁਨ੍ਯਾ ਸੇ ਮਹਿਬਤ ਕਾ ਤੋ ਹਰ ਏਕ ਫ਼ਮ ਭਰਤਾ ਨਜ਼ਰ ਆ ਰਹਾ ਹੈ ਮਹਾਰ ਆਖਿਰਤ ਕੀ ਮਹਿਬਤ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਆਤੀ, ਹਰ ਏਕ ਹੁਨ੍ਯਾ ਕਾ ਮੁਸਤਕਿਬਲ ਰੈਂਸ਼ਨ ਕਰਨੇ ਕੀ ਤਗੋ ਫੌ ਮੌ ਮਸ਼ਗੂਲ ਨਜ਼ਰ ਆ ਰਹਾ ਹੈ। ਹਰ ਏਕ ਈਸੀ ਫਿਕ ਮੌ ਹੈ ਕੇ ਜਿਤਨੀ ਬਨ ਪਢੇ ਉਤਨੀ ਫੌਲਤ ਈਕਫੀ ਕਰ ਲੀ ਜਾਅੇ, ਜਿਤਨਾ ਹੋ ਸਕੇ ਅਸਨਾਅ ਹਾਸਿਲ ਕਰ ਲੀ ਜਾਅੇ, ਜਿਤਨਾ ਹੋ ਸਕੇ ਹੁਨ੍ਯਾ ਕੇ ਪਲੋਟ ਹਾਸਿਲ ਹੋ ਜਾਅੇ। ਐਹੁਨ੍ਯਾ ਮੌ ਉਮਦਾ ਉਮਦਾ ਮਕਾਨਾਤ ਪਾਨੇ ਕੇ ਤਲਬਗਾਰੇ ! ਜਾਰਾ ਫਿਲ ਕੇ ਕਾਨੋਂ ਸੇ ਸੁਨੋ ਕੁਰਾਅਨੇ ਪਾਕ ਕਿਆ ਕੇਹ ਰਹਾ ਹੈ ! ਚੁਨਾਅਦੇ ਸੂਰਾਅੇ ਹੁਖਾਨ ਪਾਰਹ:25, ਆਧਾਰ 25 ਤਾ 29 ਮੌ ਈਕਾਨ੍ਤ ਹੋਤਾ ਹੈ :-

كَمْ تَرْكُوا مِنْ جَنَاحٍ وَعُيُونٍ^۱ وَزُرُوعٍ وَمَقَاءِرٍ كَرْتُمُوٰ^۲ وَنَعْمَةٍ كَلْتُ فَيْقَهَا^۳
فَكِيمِينَ^۴ كَذِلِكَ وَأُرْثَنَهَا قَوْنًا أَخْرَينَ^۵ قَمَابِكْتُ عَلَيْكُمُ الْكَمَالُ^۶
وَالْأَرْضُ وَمَا كَانُوا مُنْظَرِينَ^۷

ਤਜ਼ਮਾਅੇ ਕਨ੍ਝੂਲ ਈਮਾਨ: ਕਿਤਨੇ ਛੋਡ ਗਏ ਬਾਗ ਔਰ ਚੱਬੇ ਔਰ ਖੇਤ ਔਰ ਉਮਦਾ ਮਕਾਨਾਤ ਔਰ ਨੇ'ਮਤੋਂ ਜਿਨ ਮੌ ਵਾਹਿਗੁਲ ਬਾਲ ਥੇ। ਹਮ ਨੇ ਧੂਹੀ ਕਿਧਾ ਔਰ ਉਨ ਕਾ ਵਾਰਿਸ ਦੂਸਰੀ ਕੌਮ ਕੋ ਕਰ

ਇਧਾ ਤੋ ਉਨ ਪਰ ਆਸਮਾਨ ਔਰ ਜਮੀਨ ਨ ਰੋਏ ਔਰ ਉਨ੍ਹੋਂ ਮੋਹਲਤ ਨ ਦੀ ਗਈ।

ਜਗਣ ਜੁ ਲਗਾਨੇ ਕੀ ਫੁਨ੍ਯਾ ਨਹੀਂ ਹੈ

ਮੀਠੇ ਮੀਠੇ ਈਤਵਾਮੀ ਭਾਈਧੋ! ਆਪ ਨੇ ਗੌਰ ਫਰਮਾਯਾ? ਉਮਦਾ ਉਮਦਾ ਮਕਾਨਾਤ ਬਨਾਨੇ ਵਾਲੇ, ਖੁਣੁਮਾ ਬਾਗਾਤ ਲਗਾਨੇ ਵਾਲੇ ਔਰ ਲਹਲਹਾਤੇ ਘੇਤ ਉਗਾਨੇ ਵਾਲੇ ਧਕਬਾਰਗੀ ਫੁਨ੍ਯਾ ਸੇ ਰੁਖ਼ਸਤ ਛੋ ਗਏ। ਔਰ ਉਨ ਕੇ ਛੋਤੇ ਹੁਅੇ ਅੱਸਾਂਸੇ ਕਾ ਫੂਸਰੋਂ ਕੋ ਵਾਰਿਸ ਬਨਾ ਇਧਾ ਗਿਆ, ਨ ਈਨ ਪਰ ਜਮੀਨ ਰੋਈ ਨ ਆਸਮਾਨ, ਨ ਹੀ ਉਨ੍ਹੋਂ ਮੋਹਲਤ ਦੀ ਗਈ। ਉਨ ਕੇ ਨਾਮੋ ਨਿਸ਼ਾਨ ਮਿਟਾ ਇਧੇ ਗਏ ਉਨ ਕੇ ਤਜ਼ਿਕਰੇ ਖਤਮ ਛੋ ਗਏ ਬਸ ਅਥ ਵੋਹ ਹੈਂ ਔਰ ਉਨ ਕੇ ਆ'ਮਾਲ, ਤੋ ਧੇਹ ਫੁਨ੍ਯਾ ਬਸ ਈਕ੍ਰਿਤ ਹੀ ਈਕ੍ਰਿਤ ਹੈ।

ਜਹਾਂ ਮੈਂ ਹੈਂ ਈਕ੍ਰਿਤ ਕੇ ਹਰ ਸ੍ਰੂਤੁਮੂਨੇ

ਮਗਰ ਤੁਝ ਕੀ ਅਨ੍ਧਾ ਕਿਧਾ ਰੰਗੀ ਬੂ ਨੇ

ਕਭੀ ਗੌਰ ਸੇ ਭੀ ਧੇਹ ਫੇਖਾ ਹੈਂ ਤੂ ਨੇ

ਜੇ ਆਬਾਦ ਥੇ ਵੋਹ ਮਕਾਂ ਅਥ ਹੈਂ ਸ੍ਰੂਨੇ

ਜਗਣ ਜੁ ਲਗਾਨੇ ਕੀ ਫੁਨ੍ਯਾ ਨਹੀਂ ਹੈ

ਧੇਹ ਈਕ੍ਰਿਤ ਕੀ ਜਾ ਹੈ ਤਮਾਸਾ ਨਹੀਂ ਹੈ

ਮਿਲੇ ਮੈਂ ਖਾਕ ਅਹਲੇ ਥਾਂ ਕੈਂਸੇ ਕੈਂਸੇ

ਮਕਿੰਹੋ ਗਏ ਲਾ ਮਕਾਂ ਕੈਂਸੇ ਕੈਂਸੇ

ਹੁਅੇ ਨਾਮਵਰ ਬੋਨਿਸ਼ਾਂ ਕੈਂਸੇ ਕੈਂਸੇ

ਅਮੀਂ ਖਾ ਗਈ ਨੌ ਜਵਾਂ ਕੈਂਸੇ ਕੈਂਸੇ

ਜਗਣ ਜੁ ਲਗਾਨੇ ਕੀ ਫੁਨ੍ਯਾ ਨਹੀਂ ਹੈ

ਧੇਹ ਈਕ੍ਰਿਤ ਕੀ ਜਾ ਹੈ ਤਮਾਸਾ ਨਹੀਂ ਹੈ

ਅਜਲ ਨੇ ਨ ਕਿਸਰਾ ਹੀ ਛੋਡਾ ਨ ਦਾਰਾ

ਈਸੀ ਸੇ ਸਿਕਨਦਰ ਸਾ ਫਾਤੇਹ ਭੀ ਹਾਰਾ

ਹਰ ਈਕ ਲੋਕੇ ਕਿਧਾ ਕਿਧਾ ਨ ਹਸਰਤ ਸਿਖਾਰਾ

ਪਡਾ ਰਹ ਗਿਆ ਸਥਾ ਧੂੰਹੀ ਠਾਠ ਸਾਰਾ

ਜਗਣ ਜੁ ਲਗਾਨੇ ਕੀ ਫੁਨ੍ਯਾ ਨਹੀਂ ਹੈ

ਧੇਹ ਈਕ੍ਰਿਤ ਕੀ ਜਾ ਹੈ ਤਮਾਸਾ ਨਹੀਂ ਹੈ

ਧੇਹੀ ਤੁਝ ਕੋ ਧੁਨ ਹੈ ਰਹ੍ਹੇ ਸਥਾ ਸੋ ਬਾਲਾ

ਹੋ ਝੀਨਤ ਨਿਰਾਲੀ ਹੋ ਫੈਸਾਨ ਨਿਰਾਲਾ

ਜਿਧਾ ਕਰਤਾ ਹੈ ਕਿਧਾ ਧੂੰਹੀ ਮਰਨੇ ਵਾਲਾ

ਤੁਝੇ ਹੁਣੇ ਆਹਿਰ ਨੇ ਧੋਕੇ ਮੌਡਾਲਾ

ਜਗਣ ਜੁ ਲਗਾਨੇ ਕੀ ਫੁਨ੍ਯਾ ਨਹੀਂ ਹੈ

ਧੇਹ ਈਕ੍ਰਿਤ ਕੀ ਜਾ ਹੈ ਤਮਾਸਾ ਨਹੀਂ ਹੈ

ਵੋਹ ਹੈ ਐਥੋ ਈਤਰਤ ਕਾ ਕੋਈ ਮਹਲ ਭੀ

ਜਹਾਂ ਤਾਕ ਮੌਹਰੀ ਹੋ ਅਜਲ ਭੀ

ਬਸ ਅਥ ਅਪਨੇ ਈਸ ਜਹਲ ਸੇ ਤੂ ਨਿਕਲ ਭੀ

ਧੇਹ ਜਨੇ ਕਾ ਅਨਦਾਜ ਅਪਨਾ ਬਦਲ ਭੀ

ਜਗਣ ਜੁ ਲਗਾਨੇ ਕੀ ਫੁਨ੍ਯਾ ਨਹੀਂ ਹੈ

ਧੇਹ ਈਕ੍ਰਿਤ ਕੀ ਜਾ ਹੈ ਤਮਾਸਾ ਨਹੀਂ ਹੈ

ਨ ਹਿਲਦਾਦ ਅੇ ਸ਼ੋ'ਰ ਗੋਈ ਰਹੇਗਾ

ਨ ਗਿਰਵੀਦ ਅੇ ਸ਼ੋਹਰਾ ਜੋਈ ਰਹੇਗਾ

ਨ ਕੋਈ ਨ ਰਹਾ ਹੈ ਨ ਕੋਈ ਰਹੇਗਾ

ਰਹੇਗਾ ਤੋ ਜਿਕੇ ਨਿਕੋਈ ਰਹੇਗਾ

جگہ اُل لگانے کی دُنیا نہیں ہے
 یہاں یتھر کی جا ہے تماشا نہیں ہے
 جب اس بجھ سے ٹوٹ گئے دوست اکسر
 یہاں ہر وکٹ پے شو نہیں جب ہے مانگر
 جگہ اُل لگانے کی دُنیا نہیں ہے
 یہاں یتھر کی جا ہے تماشا نہیں ہے
 جہاں میں کھیں شو رے ماتم بپا ہے
 کھیں شیکھ اے جو رے مکرو دغا ہے
 جگہ اُل لگانے کی دُنیا نہیں ہے
 یہاں یتھر کی جا ہے تماشا نہیں ہے
 تُز پہلے بچپن نے برساں بھلایا
 بُٹاپے نے فیر آ کے کھا کھا ستا یا
 جگہ اُل لگانے کی دُنیا نہیں ہے
 یہاں یتھر کی جا ہے تماشا نہیں ہے
 بُٹاپے سے پا کر پھامے کجا بھی
 کوئی تری گھلات کی ہے یعنیا بھی
 جگہ اُل لگانے کی دُنیا نہیں ہے
 یہاں یتھر کی جا ہے تماشا نہیں ہے
 یہاں یتھر کی جا ہے مُسالمان تُز کو
 فُسٹا دُنی مارکٹ میں نادان تُز کو
 جگہ اُل لگانے کی دُنیا نہیں ہے
 یہاں یتھر کی جا ہے تماشا نہیں ہے

کر لے توبा ربِ نورِ حَلَّ کی رہمات ہے بادی

میठے میठے یتھر کی بآیدیو! جب کے یہاں شو رے بھی جا اے کے اس کا یعنیکال ہو گیا
 ہے۔ اب جلدی گسساں کو بُٹا لاسو چونا نیو گسساں تاپتا ٹوٹا اے یہاں آ رہا ہو، گوسل
 دیا جا رہا ہو..... کفہن پھنایا جا رہا ہو..... فیر انپھری کبھی میں ٹوٹا دیا جا اے۔
 اس سے کبھی ہی مان جائیے، جلدی جلدی توبہ کر لیجیے۔ ابھی توبہ کا وکٹ ہے۔

کر لے توبہ ربِ نورِ حَلَّ کی رہمات ہے بادی
 کبھی میں ورنہ سزا ہوں گی کڈی